P-3 4
L-21
Social justice

मानव संसाधन विकास

समीक्षा एवं सुझाव !-

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि आजादी के बाद और मुख्यतः 1991 के बाद मानव संसाधन विकास की दिशा में कई रूपों में प्रयास किए गए और ये प्रयास काफी हद तक सफल भी रहे हैं (सफलता के बिन्दुओं की चर्चा करें।)

परन्तु हम अभी भी अपेक्षित लक्ष्य से दूर हैं और वर्तमान भारत की 37 करोड़ युवा आबादी, जो विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रमुख संभावना है, को मानव संसाधन के रूप में विकसित करने के लिए पर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।

इसलिए आवश्यकता है कि एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य कौशल विकास एवं सामाजिक समावेशन को संबोधित किया जाए और इसके लिए निम्न सुझावों पर अमल अपेक्षित है -

(i) शिक्षा प्रणाली को मजबूत किया जाए।

KGS IAS KHAN SIR

- स्वास्थ्य प्रणाली को ठीक किया जाए।
- समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण को संभव बनाया जाए।
- समावेशी विकास और लैंगिक समानता के लक्ष्य को प्राप्त किया जाए।
- युवा विकास को बढ़ावा दिया जाए।
- श्रम बाजार में सुधार किया जाए।
- तकनीकी एकीकरण और नवाचार को बढ़ावा दिया जाए।
- पर्यावरणीय संतुलन को संभव बनाया जाए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में स्वास्थ्य

- स्वास्थ्य का अर्थ
- भारत में स्वास्थ्य विकास का संगठनात्मक ढाँचा
- भारत में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ
- भारत में स्वास्थ्य समस्या के समाधान व विकास हेतु किये गए प्रयास
  - संवैधानिक
  - वैधानिक
  - नीतिगत
  - योजनागत
  - अन्य प्रयास
- समीक्षा एवं सुझाव

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

स्वास्थ्य का अर्थ :-

किसी व्यक्ति या समूह की शारीरिक या मानसिक स्थिति का वह रूप जहाँ बिना प्रकृति को नुकसान पहुँचाये व्यक्ति समाज के एक प्रकार्यात्मक सदस्य के रूप में शारीरिक एवं मानसिक रूप से कार्य करने में सक्षम होता है, को स्वास्थ्य की संज्ञा दी जाती है।

भारत में स्वास्थ्य विकास का अवसंरचनात्मक ढाँचा →

(i) केन्द्र स्तर पर
(ii) राज्य स्तर पर
(iii) स्थानीय स्तर / अन्य स्तर पर

केन्द्र स्तर पर स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना

- Ministry of Health and Family welfare 1947
- Ministry of Ayush 2014

1. Indian Council of Medical Research (ICMR) - 1911

कार्य - चिकित्सा अनुसंधान के लिए निर्माण, समन्वय एवं प्रोत्साहन का कार्य करना।

2. Medical Council of India (MCI) - 1933

कार्य :- चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा पेशेवरों, संस्थानों एवं अनुसंधान को नियंत्रित करना।

3. Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO - 1940)

कार्य :- सौन्दर्य प्रसाधन, फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के लिए मानक का निर्धारण एवं विनियमन करना।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

4. Directorate General of Health Services (DGHS) - 1958

कार्य :- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को सभी चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य मामलों पर तकनीकी सलाह देना

5. Central Council of Health and Family welfare - 1988

कार्य :- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से संबंधित नीति निर्माण में सलाह देना।

6. National AIDS Control Organisation (NACO) - 1992

कार्य :- HIV/AIDS बीमारी की रोकथाम एवं नियंत्रण करना।

7. Food Safety and Standard Authority of India (FSSAI) 2008

कार्य :- खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और खाद्य पदार्थों के निर्माण, भण्डारण, वितरण, बिक्री और आयात को नियंत्रित करना।

8. National Health Authority - 2019

कार्य :- AB-PMJAY को लागू करना
(आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जनारोग्य योजना)

9- National Medical Commission - 2020 (Replaced MCI)

कार्य - चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा पेशेवरों, संस्थानों एवं अनुसंधानों को नियंत्रित करना।

10 Medical college & Hospitals under Government of India

राज्य स्तर पर स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना

- विशेष अस्पताल के रूप में।
- जिला अस्पताल
- ग्रामीण अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

Public Health Sector

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उपकेन्द्र
2. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अस्पताल
3. रक्षा, रेलवे आदि से संबंधित स्वास्थ्य सेवाएँ
4. स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ
5. राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय स्वास्थ्य कार्यक्रम
6. स्वैच्छिक स्वास्थ्य संस्थाएँ

Private Health Sector

1. निजी अस्पताल
2. नर्सिंग होम
3. स्वतंत्र चिकित्सा

भारतीय चिकित्सा का स्वरूप

1. ऐलोपैथ
2. होम्योपैथ
3. आयुर्वेद
4. यूनानी चिकित्सा पद्धति

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के समक्ष चुनौतियाँ :

- स्वास्थ्य की निम्नतर स्थिति।
- स्वास्थ्य सेवा के अवसंरचनात्मक ढांचा में मात्रात्मक कमी।
- कमजोर प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अवसंरचना।
- स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक चिकित्सा प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं गुणात्मकता का अभाव।

- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक असमान पहुँच
- वित्त का अभाव
- निजीकरण एवं बाजारीकरण, फलत: महंगी स्वास्थ्य सुविधाएँ
- स्वास्थ्य एवं बीमारी के बारे में जागरूकता का अभाव।
- बढ़ता प्रदूषण एवं वर्तमान जीवनशैली से उत्पन्न तनाव एवं कुंठा।

भारत में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में विकास हेतु किये गए प्रयास–

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

संवैधानिक एवं वैधानिक प्रयास

(i) अनु० - 39(E) और (F)

(ii) अनु० - 41

(iii) अनु० - 42

(iv) अनु० - 47

(i) नैदानिक प्रतिष्ठान (पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम) 2010

(ii) HIV और AIDS (निवारण एवं नियंत्रक) अधिनियम

(ii) राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग।

नीतिगत प्रयास

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति - 1983
(स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में मात्रात्मक विकास पर केन्द्रित)

2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति - 2002
राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में गुणात्मक विकास पर केन्द्रित।

KGS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR IAS